ACHARYA KALU KANYA MAHAVIDHYALAYA
JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME

Sr. No.	Date	Name of Activities	Participated Students
1.	4-20 Feb. 2019	Hair & Skin Care Course	12
2.	5 March - 4 April, 2019	Spoken English Classes	12
3.	5 March - 4 April, 2019	Basic Accounting Tally	08
4.	13 Feb. -13 May, 2019	ATDC (Morning Batch)	31
5.	28 Feb. - 08 Jun, 2019	ATDC (After Noon Batch)	34

Scanned by CamScanner

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN
(DEEMED UNIVERSITY)
One Month English Spoken Course

Short Term Skill Development Programme from 05.03.2019 to 04.04.2019

S.NO.	Name of Candidate	Father's Name	Gender	Category
1	Vikash Dhaka	Bhanwar Lal Dhanka	Male	OBC
2	Mahendra Jangir	Nand Kishor Jangir	Male	OBC
3	Jitendera Kumar Jangir	Ramcharana	Male	OBC
4	Bhoomkia Soni	Jitendra Soni	Female	ONC
5	Neetu Singh	Mohan Singh	Female	Gen
6	Omee	Jetha Ram	Female	OBC
7	Manisha	Chena Ram	Female	OBC
8	Aamna	Lal Mohammed	Female	OBC
9	Vedika Swami	Madan Lal	Female	OBC
10	Leela Manda	Salag Ram	Female	OBC
11	Mohammed Khalid	Mohammed Kasif Balkhi	Male	OBC
12	Dheeraj Sharma	Sanwar Mal Sharma	Male	Gen

Scanned by CamScanner

Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

(Deemed to be University under section 3 of the UGC Act. 1956)

No. JVBI/2017/306
Dated: 09.09.2017

CIRCULAR

Jain Vishva Bharati is going to start the 3 months English Language improvement classes for students Sh. Somvir, Asst. Professor (English), will take one hour class from Monday to Friday in Academic Block w.e.f. 15.09.2017 from 04:30 p.m. to 05:30 p.m., maximum 30 requests will be entertained on the basis of first cum first serve. Registration Rs. 100/- will be charged. Minimum attendance required is 90%. On successful completion a certificate will be issued.

No conveyance facility will be provided for the purpose.

The requests may be submitted to the office of concerned HOD.

(**Vinod Kumar Kakkar**)
Registrar

Sh. Somvir, Asst. Prof., AKKM

cc to:

1. All Heads of Department/Principal AKKM - (with request to please inform all the students of their department/college).
2. FO
3. Dy. Registrar
4. Asst. Librarian
5. Academic Officer (I/c)
6. PS to VC
7. PA to Registrar

Scanned with CamScanner

ACHARYA KALU KANYA MAHAVIDHYALAYA
JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME

Sr. No.	Date	Name of Activities	Participated Students
1.	4-20 Feb. 2019	Hair & Skin Care Course	12
2.	5 March - 4 April, 2019	Spoken English Classes	12
3.	5 March - 4 April, 2019	Basic Accounting Tally	08
4.	13 Feb. -13 May, 2019	ATDC (Morning Batch)	31
5.	28 Feb. - 08 Jun, 2019	ATDC (After Noon Batch)	34

Scanned by CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान
सम्पर्क सूत्र

जैन विश्वभारती संस्थान
अल्पकालिक व्यवसायिक प्रशिक्षण
प्राप्त करने का सुनहरा अवसर
Tally
DO YOU SPEAK ENGLISH ?
(Computer Accounting in Tally) English Spoken
2019
Computer Accounting in Tally 30 12वीं 30दिन 1000/-
English Spoken Course 50 12वीं 30दिन 500/-
सम्पर्क सूत्र
01581-226110, 227473

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN
(DEEMED UNIVERSITY)
Hair Style Programme

Short Term Skill Development From 04 Feb, 2019 to 20.02.2019

S.NO.	Name of Candidate	Father's Name	Occuption	Category
1	Naresh Kanwar	Raghuvir Singh	House Wife	Gen
2	Maya Prajapat	Kana Ram	Student	OBC
3	Raju Jat	Goru Ram Jat	House Wife	OBC
4	Mamta Bhojak	Pratap Chand Bhojak	Student	OBC
5	Vinita Kumari Pathak	Prem Prasad Pathak	Teacher	Gen
6	Suman Prajapat	Hema Ram	House Wife	OBC
7	Sarita Prajapat	Gulab Chand Prajapat	House Wife	OBC
8	Neetu Joshi	Sunil Joshi	Student	Gen
9	Monika Jain	Hari	Student	OBC
10	Yogita Sharma	Mahesh Kumar Sharma	Student	Gen.
11	Santosh Kanwar	Bhanwar Singh	House Wife	Gen
12	Durga Kumari	Chetan Ram	Student	OBC

Scanned by CamScanner

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनुं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संक्षिप्त प्रतिवेदन

21,जुन 2019

आज दिनांक 21 जून 2019 को जैन विश्वभारती संस्थान में योग दिवस का एक सफल कार्यक्रम संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड की अध्यक्षता में रखा गया। इस कार्य का आयोजन योग एवं जीवन विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने किया। लगभग 500 संभागियों ने उत्साहपूर्वक यौगिक अभ्यास किया। प्रदत्त प्रोटोकॉल को ध्यान रहखते हुए सभी यौगिक प्रयोगों को अभ्यास करवाया गया। यथा सूक्ष्म व्यायाम, विभिन्न योगासन, प्राणायाम आदि को विशेष महव दिया गया। साथ में प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों को भी इसमें स्थान दिया गया।

डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने योग की वैज्ञानिक व्याख्या करते हुए उसे अनेक तरह से उपयोगी बताया। योग समग्र स्वास्थ्य में अपनी महतरत्री भूमिका अदा करता है। अतः इसका अभ्यास जितना अधिक होगा, स्वास्थ्य की प्राप्ति भी उतनी ही अधिक होगी।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. बच्छराज दूगड ने योग विषयक महत्त्वपूर्ण जीनकारी संभागियों को दी। उन्होंने कहा कि योग के अभ्यास से अनेक सुप्त शक्तियों को जगाया जा सकता है। जब ये शक्तियां जागती है तो व्यक्तित्व में सकारात्मक परिर्वतन होता है। जब व्यक्तित्व सकारात्मक होता है तो वह स्वयं ही नहीं अपितु समाज के लिए भी उपयोगी बनता है। अर्थात् वह आत्म कल्याण के साथ पर कल्याण की भावना से भी ओतप्रोत होता है। अतः योग व्यक्ति को स्वयं से परिचित कराता है और उद्देश्यूर्ण जीवन जीने में सहायक होता है।

प्रदत्त प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए योग के प्रायोगिक अभ्यासों में सूक्ष्म व्यायाम, विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों का अभ्यास कराया गया। इसमें डॉ युवराज सिंह खंगारोत एवं डॉ अशोक भास्कर का विशेष सहयोग रहा। श्री राम नारयाण गेना ने अन्य तत्संबंधी सहयोग एवं जलपान व्यवस्था में सक्रिय भूमिका अदा की। अंत में डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ प्रद्युम्न सिंह शेखावत

समनव्यक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

Scanned with CamScanner

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनुं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संक्षिप्त प्रतिवेदन

21,जुन 2018

आज दिनांक 21 जून 2018 को जैन विश्वभारती संस्थान में योग दिवस का कार्यक्रम आयोजन रखा गया। इस कार्यक्रम के आयोजक योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। लगभग 450 से अधिक संभागियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज की।

प्राप्त प्रोटोकॉल के अनुरूप योग के विभिन्न प्रयोग यथा सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, प्राणायाम को विशेष महत्त्व दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों को भी कराया गया। इसमें तनाव मुक्ति के प्रयोग, एकाग्रता बढ़ाने हेतु प्रयोग आदि सम्मिलित थे। संभागियों ने इन प्रयोगों में विशेष रुचि ली।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने योग को जीवन में उपयोगी बताते हुए कहा कि योग वास्तव में स्वास्थ्य हेतु आवश्यक है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन रहता है। जब शरीर और मन स्वस्थ रहेंगे तभी व्यवहार भी स्वस्थ होगा। अर्थात् व्यवहार के पीछे मूल को पकड़ने प्रयास किया जाए तो समस्या का समाधान सरल हो जाता है। योग इसमें सहयोगी बनता है। इसके पीछे पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया निहित है।

संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने योग की प्रासंगिता पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग की प्रासंगिता तो सदैव से रही है लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी बन रहा है। वर्तमान युग विज्ञान का युग है। अनेक आविष्कारों के साथ अनेक प्रकार से स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। मनोकायिक रोगों के कारण व्यक्ति सुख-शांति प्राप्त नहीं कर पाता है। यह बहुत बड़ी समस्या है। इसका समाधान बहुत सीमा तक योग के अंतर्गत निहित है। अतः योग को जीवनशैली का अंग बनाकर मनोकायिक समस्याओं से निजात पाया जा सकता है। सुख और शांति को प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ. युवराज सिंह खंगारोत, डॉ. अशोक भास्कर ने योग के प्रायोगिक पक्ष को व्यवस्थित ढंग से संचालित किया। श्री रामनाराण गेना ने तत्संबंधी कार्यों में अपना सहयोग प्रदान किया। अंत में डॉ. अशोक भास्कर ने सभी संभागियों एवं महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

21.6.18

डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत

समन्वयक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

Scanned with CamScanner

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, लाडनूं

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 02.09.2017

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 04 सितम्बर, 2017 से 09 सितम्बर, 2017 तक मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण प्रातः 09 बजे से 11 बजे तक आचार्य महाप्रज्ञ सभागार में दिया जायेगा। सभी विद्यार्थियों की समयानुसार उपस्थिति अनिवार्य है।

(प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी)
प्राचार्य
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

Scanned by CamScanner

SELF DEFENCE PROG.

Scanned by CamScanner

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनुं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संक्षिप्त प्रतिवेदन

21,जुन 2017

आज दिनांक 21 जून 2017 को योग दिवस के उपलक्ष्य मे जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। कार्यक्रम में लगभग 454 संभागियों ने हिस्सा लिया। प्रोटोकॉल के अनुसार दिए गए सभी निर्देशों की यथावत पालना करते हुए योग के प्रायोगिक पक्ष को बहुत सुंदर ढंग से संचालित करने में विभाग के सभी सदस्यों का विशेष योग रहा। सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, प्राणायाम और प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों में संभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लाभान्ति हुए।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने योग के वैज्ञानिक पक्ष को सुन्दर ढंग से व्यक्त किया। इसके अंतर्गत योग का शरीर तथा मन पर पड़ने वाले प्रभाव से संभागियां को अवगत कराया। योग का प्रभाव शरीर पर पड़ता है तो शरीर के रसायनों में परिवर्तन और संतुलन होता है। तब इसका प्रभाव मन पर पड़ता है। मन स्वस्थ होने पर व्यवहार इससे प्रभावित होता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. बच्छराज दूगड़ ने योग की महत्ता, उसकी प्रासंगिता को बहुत ही रोचक ढंग से व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु आध्यात्मिक विकास की प्रक्रिया भी है। यह शरीर को ही शुद्ध एवं सुदृढ़ ही नहीं रखता अपितु हमारे मन और भावों को शुद्ध रखता है। इसी से आध्यात्मिक विकास को गति मिलती है। अतः योग एकांगी नहीं अपितु अहुआयामी है जो जीवन के अनेक पक्षों को प्रभावित करता है।

डॉ. युवराज सिंह खंगारोत एवं डॉ.. अशोक भास्कर ने योग के प्रयोगिक पक्ष को व्यवस्थित रूप से संचालित किया। डा. विवेक माहेश्वरी ने अपने सुन्दर शब्दों में कार्यक्रम का संचालन किया। श्री रामनारायण गेना ने जलपान संबंधी दायित्व को भली भांति निभाया। अंत में डॉ. अशोक भास्कर ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत

समनव्यक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

CS Scanned with CamScanner

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनुं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संक्षिप्त प्रतिवेदन

21,जुन 2016

आज दिनांक 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैन विश्वाभारती संस्थान ने सुधर्मा सभा में योग दिवस का आयोजन प्रात: 7–9 बजे तक किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा जी की अध्यक्षता में रखा गया। इस कार्यक्रम के आयोजक प्रो. जेपीएन मिश्रा थे। योग दिवस के उपलक्ष्य में योग के प्रायोगिक पक्ष को विशेष महत्त्व दिया गया। इसमें योगासन, प्राणायाम, ध्यान आदि के प्रयोग करवाए गए। इस कार्यक्रम में 585 संभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. मिश्रा ने योग को अनेक दृष्टियों से उपयोगी बताया। वर्तमान के संदर्भ में योग की प्रासंगिकता को सुदर ढंग से व्यक्त किया। संस्थान कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा जी ने कहा कि वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या तनाव है। इससे कई अन्य रोगों को पनपने का अवसर मिलता है। अत: इससे मुक्ति आवश्यक है। इस हेतु उन्होंने योग को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने योग को मनोशारीरिक रोगो के उपचार में उपयोगी बताया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव व्यक्त किए। विभाग के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की। डॉ. युवराज सिंह खेंगारोत, डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, डॉ. विवेक माहेश्वरी, श्री अलोक कुमार ने योग दिवस के कार्यक्रम का सुव्यस्थित रूप से प्रबंधन कर इसे सफल बनाने में अपनी महती भूमिका अदा की। अंत में डॉ. विवेक माहेश्वरी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संभागियों एवं महानुभावों का धन्यवाद किया।

21/06/2016

डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत

समनव्यक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

Scanned with CamScanner

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनुं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संक्षिप्त प्रतिवेदन

21,जुन 2015

आज 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जैन विश्वभारती संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन सुधर्मा सभा जैन विश्वभारती में प्रात: 7 बजे से 9 बजे तक किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा थे। यह कार्यक्रम संस्थान की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा जी की अध्यक्षता में रखा गया। इस कार्यक्रम में कई गण्यमान्य जन के अतिरिक्त लगभग 3145 संभागी उपस्थित रहे।

योग दिवस पर सरकार द्वारा पदत्त प्रोटोकॉल के अनुसार सभी कार्यक्रमों का प्रयोग करवाया गया। इसमें सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम एवं ध्यान के प्रयोगों को महत्त्व दिया गया। संभागियों ने प्रसन्नता से इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी व्यक्त की। प्रयोग करवाने में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत, सहायक आचार्य डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, सहायक आचार्य श्री विवेक माहेश्वरी, प्रशिक्षक श्री आलोक पांडेय का विशेष योगदान रहा ।

इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. जेपीएन मिश्रा ने योग के स्वरूप को संभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने योग को आध्यात्मिक विकास के अतिरिक्त शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक समस्याओं के समाधान में उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि योग वास्तव में समग्र स्वास्थ्य की प्रक्रिया ही नहीं वरन् सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की भी विधा है। योग के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है, सुख शांति एवं आनंद को प्राप्त कर सकता है।

अनेक संभागियों ने भी अपनी अभिव्यक्ति दी जिसमें योग को जीवन में उतारने की बात कही। माननीया कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा जीं ने योग को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। उनका कहना था कि योग व्यक्ति को मानव से महामानव बनाने में सक्षम है। अत: इसके द्वारा व्यक्ति उत्तरोत्तर विकास कर जीवन को विकास के मार्ग में प्रशस्त कर असीम सुख-शांति को प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ युवराज सिंह खंगारोत ने कार्यक्रम में उपस्थित में सभी महानुभावों एवं संभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

21/6/15

डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत

समन्वयक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

Scanned with CamScanner

ACHARYA KALU KANYA MAHAVIDHYALAYA
JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME

Sr. No.	Date	Name of Activities	Participated Students
1.	4-20 Feb. 2019	Hair & Skin Care Course	12
2.	5 March - 4 April, 2019	Spoken English Classes	12
3.	5 March - 4 April, 2019	Basic Accounting Tally	08
4.	13 Feb. -13 May, 2019	ATDC (Morning Batch)	31
5.	28 Feb. - 08 Jun, 2019	ATDC (After Noon Batch)	34

Scanned by CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान

जैन विश्वभारती संस्थान
अल्पकालिक व्यवसायिक प्रशिक्षण
प्राप्त करने का सुनहरा अवसर
Tally
DO YOU SPEAK ENGLISH ?
(Computer Accounting in Tally)
English Spoken
Computer Accounting in Tally
30
12वीं
30दिन
1000/-
English Spoken Course
50
12वीं
30दिन
500/-
सम्पर्क सूत्र
01581-226110, 227473

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN
(DEEMED UNIVERSITY)

Computer Accounting in Tally Certificate

Short Term One Month Programme From 05.04.2019 to 04.04.2019

S.NO.	Name of Candidate	Father's Name	Gender	Category
1	Vikash Dhaka	Bhanwar Lal Dhaka	Male	OBC
2	Mahendra Jangir	Nand Kishor Jangir	Male	OBC
3	Monalika	Ramkishan Adig	Female	OBC
4	Mahendra Kumar Sethi	Kailash Chand Sethi	Male	Gen.
5	Mohammed Khalid	Mohammed Kasif Baikhi	Male	OBC
6	Pooja Baid	Ajit Kumar Baid	Female	Gen.
7	Murli Manohar Sharma	Uttam Kumar Sharma	Mali	Gem
8	Neetu Joshi	Sunil Joshi	Female	Gen.

Scanned by CamScanner

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू (राजस्थान)

दिनांक : 27.01.2015

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29-31.01.2015 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रिदिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

Scanned by CamScanner

Youth Camp for Training in Non-violence, Culture of Peace & Human Rights

(January 29-31, 2015)

जैविभास/अशावि/2015/6535

दिनांक : 28.01.2015

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य,
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय,
लाडनू।

प्रिय महोदय/महोदया,

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि अहिंसा एवं शांति एवं प्राच्य विद्याओं को समर्पित जैन विश्वभारती संस्थान का अहिंसा एवं शांति विभाग एवं कैरियर काउन्सेलिंग सेल जनवरी 29–31, 2015 को त्रि–दिवसीय युवा शिविर का आयोजन करने जा रहा है। यह शिविर अहिंसक व्यक्तित्व विकास, शांति की संस्कृति एवं मानवाधिकार को समर्पित होगा।

शिविर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। हम चाहते हैं कि आपके महाविद्यालय से 5 विद्यार्थी इस युवा शिविर में अवश्य भाग लें। शिविर में भाग लेने हेतु कोई पंजीयन शुल्क नहीं है। सभी प्रतिभागियों के आवास व तीन दिन की भोजन व्यवस्था संस्थान द्वारा निःशुल्क की जाएगी। विद्यार्थियों को अपने संस्थान से लाडनूं आने व जाने का बस किराया या द्वितीय श्रेणी का वास्तविक रेल भाड़ा संस्थान की ओर से देय होगा। प्रतिभागी विद्यार्थी अपने पहनने, ओढ़ने आदि के वस्त्र साथ में लायें तथा 29 जनवरी, 2015 को प्रातः 09:30 बजे तक अपनी उपस्थिति अनिवार्यतः जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं में दर्ज करवा दें।

शिविर के अन्तर्गत समागियों के लिए वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय है –

सदन की राय में – "आरक्षण की आवश्यकता है"

आपसे अनुरोध है कि अपनी संस्था से संभावित समागियों एवं प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों के नाम 24 जनवरी, 2015 तक अवश्य भेजकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें एवं अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनें। इस सम्बन्ध में कैरियर काउन्सेलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच (मो. 09414564043) से सम्पर्क करें।

सधन्यवाद,

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष
अहिंसा एवं शांति विभाग

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

जैविभासं./अहिंसा एवं शांति/2017/०8

दिनांक : 17.02.2017

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि–दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20–22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उद्घाटन सत्र : दिनांक 20.02.2017
समय : प्रातः 10.30 से 11.15
स्थान : सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

Ravindra Singh

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

जैविभासं./अहिंसा एवं शांति/2017/०8

दिनांक : 17.02.2017

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि–दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20–22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उद्घाटन सत्र : दिनांक 20.02.2017
समय : प्रातः 10.30 से 11.15
स्थान : सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

Ravindra Singh

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

Jain Vishva Bharati Institute

A University dedicated to Oriental Studies & Human Values

by NAAC by MHRD

जैविभासं. / अ.शांति / 2017 /

दिनांक : 15.02.2017

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर
फरवरी 20–22, 2017

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य / प्राचार्या,
संस्कृत महाविद्यालय
जसवंतगढ़, जिला–नागौर

सम्माननीय महोदय / महोदया,

आपके सूचनार्थ निवेदन है कि जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के अंतर्गत दिनांक 20–22 फरवरी, 2017 को युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर अहिंसक व्यक्तित्व विकास, शांति शिक्षा एवं मानवाधिकार को समर्पित होगा।

शिविर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। आपके महाविद्यालय से 5 विद्यार्थी इस युवा शिविर में भाग लें। शिविर में भाग लेने हेतु कोई पंजीयन शुल्क नहीं है। सभी प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था हमारे संस्थान द्वारा निःशुल्क की जाएगी। विद्यार्थियों को अपने महाविद्यालय से लाडनूं आने व जाने का बस किराया या द्वितीय श्रेणी का वास्तविक रेल किराया संस्थान की ओर से देय होगा। शिविर के अन्तर्गत संभागियों हेतु वाद–विवाद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता भी आयोजित की जायेगी जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर सफल होने वाले प्रतिभागी को समापन कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जायेगा। विद्यार्थी 20 फरवरी को प्रातः 09.00 बजे तक अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं में दर्ज करवा दें।

वाद–विवाद विषय : "सदन की राय में नोटबंदी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।"

आपसे अनुरोध है कि महाविद्यालयीन छात्रों / छात्राओं को सहभागिता हेतु प्रेरित कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास और मानवाधिकारों की जागरूकता में योगभूत बनें।

भवदीय,

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष
अहिंसा एवं शांति विभाग

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 25.01.2018

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29–31.01.2018 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रिदिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(जुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष,एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

Jain Vishva Bharati Institute

A University dedicated to Oriental Studies & Human Values

by NAAC by MHRD

Youth Camp for Training in Nonviolence, Culture of Peace & Human Rights

(January 29-31, 2018)

जैविभावि / अशावि / 2018 / 7162 दिनांक : जनवरी 1, 2018

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य / प्राचार्या,

लोहिया रा. स्नातकोत्तर

महाविद्यालय चूरु

....

9414465181

प्रिय महोदय / महोदया,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अहिंसा, शांति एवं प्राच्य विद्याओं को समर्पित जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय का अहिंसा एवं शांति विभाग **जनवरी 29–31, 2018** को त्रि–दिवसीय युवा शिविर का आयोजन करने जा रहा है। यह शिविर अहिंसा प्रशिक्षण, शांति की संस्कृति एवं मानवाधिकार को समर्पित होगा।

शिविर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। हम चाहते हैं कि आपके महाविद्यालय से 5 विद्यार्थी इस युवा शिविर में अवश्य भाग लें। शिविर में भाग लेने हेतु कोई पंजीयन शुल्क नहीं है। सभी प्रतिभागियों के आवास व तीन दिन की भोजन व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा निःशुल्क की जाएगी। विद्यार्थियों को अपने महाविद्यालय से लाडनूं आने व जाने का बस किराया या द्वितिय श्रेणी का वास्तविक रेल भाड़ा विश्वविद्यालय की ओर से देय होगा। प्रतिभागी विद्यार्थी अपने पहनने, ओढ़ने आदि के वस्त्र साथ में लायें तथा जनवरी **29 को प्रातः 10:00 बजे** तक अपनी उपस्थिति अनिवार्यतः जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं में दर्ज करवा दें।

शिविर के अनन्तर ही संभागियों के लिए भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता का विषय है–

"उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिये उत्तरदायी कौन– संसाधन / शिक्षक"

आपसे अनुरोध है कि अपनी संस्था से संभावित संभागियों एवं प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों के नाम **20 जनवरी 2018** तक अवश्य भेजकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें एवं अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनें।

संधन्यवाद।

1.1.2018

डॉ. जुगल दाधीच

विभागाध्यक्ष

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 31.01.2019

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 03–05.02.2019 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रिदिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(जुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष,एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

Jain Vishva Bharati Institute

A University dedicated to Oriental Studies & Human Values

by NAAC by MHRD

Youth Camp for Training in Nonviolence, Culture of Peace & Human Rights

(February 03-05, 2019)

जैविभाति/अशांति/2018/ दिनांक : जनवरी 12, 2019

प्रतिष्ठा में,
प्राचार्य/प्राचार्या,

.....

.....

.....

प्रिय महोदय/महोदया,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अहिंसा, शांति एवं प्राच्य विद्याओं को समर्पित जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय का अहिंसा एवं शांति विभाग **फरवरी 03–05, 2019** को त्रि–दिवसीय युवा शिविर का आयोजन करने जा रहा है। यह शिविर अहिंसा प्रशिक्षण, शांति की संस्कृति एवं मानवाधिकार को समर्पित होगा।

शिविर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। हम चाहते हैं कि आपके महाविद्यालय से 5 विद्यार्थी इस युवा शिविर में अवश्य भाग लें। शिविर में भाग लेने हेतु कोई पंजीयन शुल्क नहीं है। सभी प्रतिभागियों के आवास व तीन दिन की भोजन व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा निःशुल्क की जाएगी। विद्यार्थियों को अपने महाविद्यालय से लाडनूं आने व जाने का बस किराया या द्वितीय श्रेणी का वास्तविक रेल भाड़ा विश्वविद्यालय की ओर से देय होगा। प्रतिभागी विद्यार्थी अपने पहनने, ओढ़ने आदि के वस्त्र साथ में लायें तथा फरवरी 03 को **प्रातः 10:00 बजे** तक अपनी उपस्थिति अनिवार्यतः जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं में दर्ज करवा दें।

शिविर के अनन्तर ही संभागियों के लिए भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता का विषय है–

"आर्थिक आधार पर आरक्षण उचित है?"

आपसे अनुरोध है कि अपनी संस्था से संभावित संभागियों एवं प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों के नाम **24 जनवरी 2019** तक अवश्य भेजकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें एवं अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में सहभागी बनें।

धन्यवाद।

12.1.2019

(डॉ. दुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष
9414564043

08/09/2014

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

दिनांक 06.08.2014

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 08.09.2014
समय : प्रातः 09:00 बजे
स्थान : शैक्षणिक खण्ड सेमीनार हॉल

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(डॉ. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :

1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

जैन विश्वभारती संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)
लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute
(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)
LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

Reaccredited 'A' Grade by NAAC

Youth Camp for Training in Non-violence

जैविभासं/अशांवि/2014/2677

दिनांक: 05.09.2014

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्या,
सैनिक सी.से. विद्यालय,
लाडनूं।

प्रिय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 08.09.2014 को प्रात: 09.00–12.00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

भवदीय,

(डॉ. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone +91-1581-226116
Fax +91-1581-227472
Email prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-226110,224332

Office of the Registrar
Phone: +91-1581-226230
Fax : +91-1581-227472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 08.09.2014

रिपोर्ट

आज दिनांक 08.09.2014 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सैनिक सी. से. स्कूल, लाडनूं के 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उदघाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ हेमलता जोशी द्वारा करवाया गया और उन्होने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्रणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविनद्र सिह राठौड़ ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 06.01.2015

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.01.2015 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा एकदिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष,एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

#

जैन विश्वभारती संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)
लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute
(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)
LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

Reaccredited 'A' Grade by NAAC

जैविभासं/अशांवि/2015/5539

दिनांक: 07.01.2015

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,
प्राचार्य,
(1) भवानी निकेतन स्कूल
जसवन्तगढ़ लाडनूं

महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 09.01.2015 को प्रातः 10.30– दोपहर 1.00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

[illegible]

(2) रा० उ०मा०विद्यालय [illegible]
(3) श्री [illegible] मनोहर बाल निकेतन, लाडनूं
(4) केसर देवी सी० सै० स्कूल, लाडनूं
(5) श्री सूरजमल [illegible] सी० सै० स्कूल लाडनूं

भवदीय,
(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone: +91-1581-226116
+91-1581-227472
Email: prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-226110,224332

Office of the Registrar
Phone: +91-1581-226230
Fax : +91-1581-227472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 09.01.2015

रिपोर्ट

आज दिनांक 09.01.2015 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भवानी निकेतन स्कूल, जसवंगढ़, राजकिय उच्च माध्यकिक विद्यालय, निम्बी जोधा, लाड मनोहर बाल निकेतन स्कूल, लाडनूं, केसर देवी सी. से. स्कूल, लाडनू, सुरजमल भूताडीया सी. से स्कूल, लाडनूं के 301 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ युवराज सिंह खांगारोत द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्रणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त मे बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविनद्र सिंह राठौड ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2015/ 172

दिनांक 8.10.2015

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 10.10.2015
समय : प्रातः 10:30 बजे
स्थान : महाप्रज्ञ समागार

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :

1. व.नि.सं. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

जैन विश्वभारती संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)
लाडनूं - 341306 (राजस्थान) भारत

Jain Vishva Bharati Institute
(Deemed-to-be University under section 3 of the UGC Act, 1956)
LADNUN-341306 (Rajasthan) INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

जैविभासं / अशांवि / 2015 / 2803 दिनांक: 09.10.2015

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य
सेन्ट जिवियर्स सैकण्डरी स्कूल,
लाडनूं-341306 (राजस्थान)

महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 10.10.2015 को प्रातः 10.30 से दोपहर 1.00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone : +91-1581-226116
Fax : +91-1581-227472
Email : prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-226110, 224332

Office of the Registrar
Phone : +91-1581-226230
Fax : +91-1581-227472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 10.10.2015

रिपोर्ट

आज दिनांक 10.10.2015 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सेन्ट जेवियर्स सी. से. स्कूल, लाडनूं के 71 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ प्रद्युम्न सिह शेखावत द्वारा करवाया गया और उन्होने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्राणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र सिह राठौड ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिह राठौड)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2016/ 324 दिनांक 08.02.2016

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 09.02.2016
समय : प्रातः 11.00 बजे
स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड
इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :
1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

जैन विश्वभारती संस्थान

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)

लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

जैविभासं / अशादि / 2016 /

दिनांक: 08.02.2016

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य
श्रीलाड मनोहर बाल निकेतन सिनीयर सैकण्डरी स्कूल,
लाडनूं–341306 (राजस्थान)

महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 09.02.2016 को प्रातः 11.00 से दोपहर 1.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone: +91-1581-222116
Fax : +91-1581-223472
Email : prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-222110, 224332

Office of the Registrar
Phone : +91-1581-222230
Fax : +91-1581-223472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 09.02.2016

रिपोर्ट

आज दिनांक 09.02.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लाड मनोहर बाल निकेतन स्कूल, लाडनूं के 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ अशोक भास्कर द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरुरी है और यह प्रणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 29.02.2016

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 02.03.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा एकदिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष,एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

#

जैन विश्वभारती संस्थान

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)

लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed to be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

जैविभासं / अशांवि / 2016 / 917

दिनांक: 02.03.2016

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य
मौलाना आजाद सीनीयर सैकण्डरी स्कूल,
लाडनूं-341306 (राजस्थान)

सम्मानीय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 02.03.2016 को प्रातः 10.00 से दोपहर 12.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एव शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,

2/3/16

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone: +91-1581-222116
Fax : +91-1581-223472
Email : prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-222110, 224332

Office of the Registrar
Phone: +91-1581-222230
Fax : +91-1581-223472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू (राजस्थान)

दिनांक : 02.03.2016

रिपोर्ट

आज दिनांक 02.03.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना आजाद सी. से. स्कूल, लाडनू के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ प्रद्युम्न सिंह शेखावत द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्रणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2016/373 दिनांक **15.3.2016**

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक :16.03.2016
समय : प्रातः 10:00 बजे
स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :

1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

जैन विश्वभारती संस्थान

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)

लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

जैविभासं/अशावि/2016/11937 दिनांक : 15.03.2016

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य,
आदर्श विद्या मन्दिर सीनियर सैकण्डरी स्कूल,
लाडनूं – 341306 (राजस्थान)

सम्मानीय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अहिंसा, शांति एवं प्राच्य विद्याओं को समर्पित जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 16.03.2016 को प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

भवदीय

for [signature]

(प्रो. अनिल धर)

विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone : +91-1581-222116
Fax : +91-1581-223472
Email : prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-222110, 224332

Office of the Registrar
Phone : +91-1581-222230
Fax : +91-1581-223472
Email : registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 16.03.2016

रिपोर्ट

आज दिनांक 16.03.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आदर्श विद्या मन्दिर सी. से. स्कूल, लाडनूं के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप मे डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ अशोक भास्कर द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्रणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू (राजस्थान)

दिनांक 26.09.2016

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.09.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में आप सब की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 10.30 बजे

स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
विभागाध्यक्ष,प्रभारी

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष,एवं प्राचार्य,आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. शैक्षणिक अधिकारी (प्रभारी)
5. सूचना पट्ट

जैविभास / अशावि / 2016 / 1868 दिनांक: 26.09.2016

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य
मौलाना आजाद सीनीयर सैकण्डरी स्कूल
लाडनूं–341306 (राजस्थान)

सम्मानीय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 28.09.2016 को प्रात: 10.00 से दोपहर 12.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,
Ravindra Singh
(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड)
विभागाध्यक्ष/प्रभारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 28.09.2016

रिपोर्ट

आज दिनांक 28.09.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना आजाद सी. से स्कूल, लाडनूं के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ प्रद्युम्न सिंह शेखावत द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्राणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

Department of Non-violence and Peace

Jain Vishva Bharati Institute

Time Table : One Day Youth Camp

Date - 08 February 2017

उद्घाटन सत्र	10:30 बजे से 11:00 बजे तक
हिंसा अहिंसा अभिवृत्ति कार्यशाला और प्रायोगिक प्रशिक्षण	सुबह 11:00 से 12:00 तक
हिंसा और अहिंसा का चित्रांकित प्रतिपादन	दोपहर 12:00 से 12:30 तक
फीडबैक सत्र,	12:30 से 1:00 बजे तक
शिविर समापन और शिविर उपयोगिता पर चर्चा	

स्थान – सेमिनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

समय – सुबह 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक

(डॉ. विकास शर्मा)
समन्वयक

Scanned by CamScanner

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान
लाडनूं-341306 (राजस्थान)

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

क्रमांक/जै.वि.भा.सं./एन.वी.पी./2017/65 दिनांक 06.02.2017

प्राचार्य
दयानंद सरस्वती सी.सै. स्कूल, लाडनूं

प्रिय महोदय/महोदया,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 08.02.2017 प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 09 से 11 तक के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे, ऐसी आशा है।

Ravindra Singh
07/02/17
(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
विभागाध्यक्ष-प्रभारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 08.02.2017

रिपोर्ट

आज दिनांक 08.02.2017 को अहिंसा एवं शांति विभाग में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दयानन्द पब्लिक स्कूल, लाडनूं के 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अनिल धर ने किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनिल धर ने कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा की अत्यधिक महत्ता है, जो कि मनुष्य के जीवन को सही ढंग से जीने का मार्ग बताती है। विषय परिचय के रूप में डॉ जुगल किशोर दाधीच ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें मानवाधिकार और पर्यावरण विषय पर चर्चा की। अगले सत्र में प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ अशोक भास्कर द्वारा करवाया गया और उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि दैनिक जीवन में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी जरूरी है और यह प्राणायाम व यौगिक क्रियाओं के द्वारा ही यह संभव है। कार्यशाला के अन्त में बाहर से आये हुए विद्यार्थियों और विभाग के सदस्यों का आभार डॉ. विकास शर्मा द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द सिंह राठौड़ ने किया। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थीयों ने भी अपनी सहभागीता दी। अन्त में सबको अल्पाहार के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

Ravindra Singh

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
समन्वयक
अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिलिपि–

1- निदेशक, IQAC
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव

सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षकों एवं शिक्षा में नवाचार एवं परिवर्तनशीलता जरूरी- प्रो ज्ञानानी

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 5 से 11 मई, 2015 तक किया गया। शुभारंभ एसडी थोड़ावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। मुख्य अतिथि दयालबाग एज्यूकेशन संस्थान, आगरा के प्रो. टी सी ज्ञानानी ने कहा कि वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में भारतीय शिक्षकों एवं शिक्षा में नवाचार एवं परिवर्तनशीलता जरूरी है। चॉक एवं टॉक के स्थान पर सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के ज्ञान से परिपूर्ण विश्वस्तरीय शिक्षक-प्रशिक्षक निर्माण का मुख्य आधार पाठ्यचर्या निर्माण है। प्रो. ज्ञानानी ने शिक्षा में गुणवत्तापरक शिक्षकों के निर्माण को जरूरी बताते हुए कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक ही पाठ्यचर्या के विकास में सहयोगी बन सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने बताया कि इस कार्यशाला के दौरान पाठ्यचर्या विकास पर दीर्घावधि योजना पर चिंतन किया जाना है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रो अनिता रस्तोगी ने कहा कि पाठ्यचर्या विकास का प्रमुख उद्देश्य सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान का सामन्जस्य, समय प्रबंधन आधारित नवाचार एवं क्रियान्विति होना चाहिए।

शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विष्णुकुमार ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. गिरिराज भोजक ने व्यक्त किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यापक परिषद के उपसचिव अनिल शुक्ला, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के प्रो एम पारीक, एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली के प्रो. अमरिन्दर सिंह बेहरा, संस्कृत विश्वविद्यालय राजस्थान के भूतपूर्व प्रो. गोपीनाथ शर्मा, केशव विद्यापीठ जयपुर के प्रो. अशोक सिडाना, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रो. सुरेन्द सहारण, गांधी विद्या मन्दिर सरदारशहर के दिनेश बैद, डॉ. सरिता शर्मा, जैन विश्व भारती संस्थान की डॉ. पुष्पा मिश्रा सहित अनेक विद्वानों ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

कार्यशाला के तृतीय दिवस 7 मई को पाठ्यचर्या में समकालीन समस्या समाधान विषय पर संबोधित करते हुए इग्नू दिल्ली के प्रो. एमसी शर्मा ने कहा कि पाठ्यचर्या विकास एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसका मुख्य आधार परिवार विद्यालय तथा समाज से प्राप्त मुख्य तथ्य, आंकड़े तथा साक्ष्य होते हैं। पाठ्यचर्या का उद्देश्य देश में चिंतनशील शिक्षकों का निर्माण करना एवं भावी पीढ़ी को राष्ट्र विकास के लिए तैयार करना है। द्वितीय सत्र में जयपुर के प्रो. अशोक शर्मा ने शिक्षक के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण पर बल दिया। कार्यशाला में देश भर से विद्वानगणों ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यापक परिषद नई दिल्ली उप सचिव अनिल शुक्ला ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यापक शिक्षा की पाठ्यचर्या में परिवर्तन वैश्वीकरण परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है जिसका प्रमुख उद्देश्य विश्वस्तरीय तथा गुणात्मक शिक्षकों का निर्माण है।

कार्यशाला समापन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अनिल धर ने पाठ्यचर्या परिवर्तन को अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक विकास को आधार बताते हुए कहा कि वैश्वीकरण की चुनौतियों के परिपेक्ष्य में यह परिवर्तन एक सकारात्मक कदम होगा। डॉ. बी.एल. जैन ने सात दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि प्रो. मथुरेश्वर पारीक ने पूर्व पाठ्यचर्या के समीक्षात्मक चिंतन पर बल देते हुए कहा कि नवीन पाठ्यचर्या संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण को सुनिश्चित करना हम सभी अध्यापक प्रशिक्षकों का दायित्व है। कार्यक्रम का संचालन संयोगिता राठौड़ ने किया।